



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 63]
No. 63]

नई दिल्ली, बुधवार, अप्रैल 28, 1994/वैशाख 8, 1916
NEW DELHI, THURSDAY, APRIL 28, 1994/VAISAKHA 8, 1916

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

सार्वजनिक सूचना सं. 601/1/94-पालिसी

नई दिल्ली, 27 अप्रैल, 1994

फा.सं. 2/8/92-एम.यू.सी.—मार्च, 1997 को निर्यात आयात नीति से सम्बद्ध वाणिज्यिक मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना 201(पी.एन.)/92—97, दिनांक 30 मार्च, 1994 तथा समय-समय पर संशोधित, अखबारी कागज नियंत्रण आदेश, 1962 के अनुसार भारत सरकार, सूचना और प्रसारण मंत्रालय एतद् द्वारा अनुलग्नक में दिये अनुसार लाइसेंसिंग वर्ष अप्रैल, 1994—मार्च, 1995 के लिए नियत स्वदेशी अखबारी कागज मिलों से अखबारों कागज के आयात और खरीद के लिये, अगले आदेश होने तक, समाचार-पत्रों को हकदारी प्रमाण पत्र जारी करने के लिये मार्ग निर्देश अधिसूचित करती है।

रघु मेनन, संयुक्त सचिव

परिशिष्ट

हकदारी प्रमाण-पत्र जारी करने के वास्ते मार्ग निर्देश

1. परिभाषा

1.1 इस नीति में समय-समय पर यथा संशोधित प्रेस और पुस्तक पंजीकरण, अधिनियम, 1867 में यथा परिभाषित "समाचार पत्र" का अर्थ ऐसी कोई भी मुद्रित नियतकालिक कृति होना जिसमें सार्वजनिक समाचार या सार्वजनिक समाचारों पर टिप्पणियां छपती हैं।

1.2 जहां देशी अखबारी कागज से अभिप्राय देश में अखबारी कागज का निर्माण करने वाली मिलों द्वारा उत्पादित अखबारी कागज से है, जैसा कि समय-समय पर संशोधित अखबारी कागज आदेश, 1962 की अनुसूची में बताया गया है वहां आयातित अखबारी कागज से अभिप्राय सीमा शुल्क टैरिफ 1993-94 के अध्याय 48 में दी गई परिभाषा से है।

2. पात्रता :

2.1 हर प्रकार से पूर्ण औपचारिक आवेदन प्रस्तुत करने पर भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक द्वारा अखबारी कागज का आबंटन उन समाचार पत्रों, नियत-कालिक पत्रों को किया जायेगा जो समय-समय पर यथा संशोधित प्रेस और पुस्तक पंजीकरण अधिनियम, 1867 के संगत उपबंधों के अनुसार, भारत के समाचार-पत्रों के पंजीयक के कार्यालय में पंजीकृत हो चुके हैं।

2.2 कोई समाचार पत्र अखबारी कागज के आबंटन के लिये तभी पात्र होगा जब दैनिक, द्वि-साप्ताहिक या त्रि-साप्ताहिक समाचार पत्र के मामले में उसकी नियमितता 90 प्रतिशत और अन्य आवधिकता के मामले में 66-2/3 प्रतिशत होगी सिवाय उन मामलों के जिनमें नियमितता की गिरावट प्रकाशक के नियंत्रण से बाहर के कारणों से अर्थात् हड़ताल, तालाबन्दी, काम धीरे करना, विजली की कमी या इसी प्रकार के कारणों से आई हो।

2.3 प्रकाशनों की निम्नलिखित श्रेणियां चाहे वह भारत के समाचार पत्रों के पंजीयक के कार्यालय में समाचार पत्रों के रूप में पंजीकृत हों, इस नीति के अन्तर्गत अखबारी कागज के आबंटन के लिये पात्र नहीं होंगी:—

(1) मुख्यतः वस्तुओं अथवा सेवाओं से बिजली को बढ़ावा देने के लिए प्रकाशित पत्रिकाएँ

(2) उपक्रमों/फर्मों/औद्योगिक प्रतिष्ठानों द्वारा प्रकाशित की जाने वाली गृह पत्रिकाएं/मैगजीन

(3) मूल्य सूचियां, सूचीपत्र, निर्देशिकाएं तथा लाटरी समाचार

(4) दोड़ गाइडें और

(5) सैक्स मैगजीन।

3. हकदारी

3.1 किसी समाचार पत्र/नियतकालिक पत्र के लाइसेंसिंग वर्ष 1994-95 के लिये अखबारी कागज की मूल हकदारी का निर्धारण उसके पिछले वर्ष के दौरान अखबारी कागज तथा और किसी कागज की खपत, औसत वार्षिक प्रसार संख्या, औसत प्रकाशन दिवसों की संख्या तथा प्रकाशित औसत पृष्ठ क्षेत्र के आधार पर किया जायेगा।

3.2 वे समाचार पत्र जिनकी वार्षिक हकदारी भारत के समाचार पत्रों के पंजीयक द्वारा 200 मीट्रिक टन मानक अखबारी कागज से अधिक निर्धारित की गई है, इस शर्त पर उनके द्वारा खरीदे गये देशी अखबारी कागज के प्रत्येक दो मीट्रिक टन पर एक मीट्रिक टन मानक अखबारी कागज का आयात करने के पात्र होंगे।

3.3 जिन समाचारपत्रों की हकदारी भारत के समाचार पत्रों के पंजीयक द्वारा 200 मीट्रिक टन से कम तय की

गई है, उन्हें स्टैंडर्ड अखबारी कागज को आयात करने के लिये वार्षिक हकदारी प्रमाणपत्र जारी किया जायेगा, जिसमें उस समाचारपत्र द्वारा आयात किये जाने वाले स्टैंडर्ड अखबारी कागज की अधिकतम मात्रा को एक या अधिक किस्तों में आयात करने की मात्रा निर्धारित की गई होगी।

3.4 समाचारपत्र नियतकालिक पत्र के सभी संस्करणों को, जिनका यही नाम हो, आवधिकता हो, उसी भाषा में प्रकाशित होने हों और उनका स्वामी वही हो अथवा उसी जगह से या भिन्न-भिन्न जगहों से प्रकाशित हो, एक साथ मिला दिया जायेगा और उनकी श्रेणी तथा अखबारी कागज की हकदारी का हिसाब सभी संस्करणों को एक साथ मिलाकर निष्पादन विवरण के आधार पर लगाया जायेगा।

3.5 भारत के समाचार पत्रों के पंजीयक द्वारा जिस समाचार पत्र/नियतकालिक पत्र की प्रसार संख्या का दावा अप्रमाणित घोषित कर दिया गया है, वह अखबारी कागज के लिये तब तक पात्र नहीं होगा जब तक उसकी प्रसार संख्या उसी वर्ष में या अनुवर्ती वर्ष के लिये पुनः सिद्ध न हो जाये चाहे समाचार पत्र के स्तर में किसी प्रकार का परिवर्तन ही क्यों न हुआ हो। उन समाचार पत्रों/नियतकालिक पत्रों के मामले में, जिनकी प्रसार संख्या भारत के समाचार पत्रों के पंजीयक ने पहले दावा की गई प्रसार संख्या से कम निर्धारित की है, उनकी हकदारी भारत के समाचार पत्रों के पंजीयक द्वारा निर्धारित प्रसार संख्या के आधार पर निकासी जायेगी। ऐसे समाचार पत्र/नियतकालिक पत्र आंकी गई प्रसार संख्या के आधार पर अखबारी कागज पाते रहेंगे और लाइसेंसिंग वर्ष अथवा बाद के वर्षों के दौरान संशोधन के हकदार नहीं होंगे जब तक कि प्रसार का दावा पूरी तरह स्वीकार न कर लिया जाए। उस समाचार पत्र/नियतकालिक पत्र के मामले में जिसके बारे में यह पाया जाता है कि उसने अपने निष्पादन अथवा प्रसार संख्या का असत्य विवरण दिया है, उसे विनिष्ट अवधि, जो एक वर्ष तक हो सकती है, के लिये नीचे दर्शाये गये तरीके से अखबारी कागज के आबंटन से वंचित किया जा सकेगा।

भारत का राजपत्र : असाधारण

अत्युक्ति	के लिये वंचित
(1) 10 प्रतिशत तक	छूट
(2) 10 प्रतिशत से अधिक एवं 25 प्रतिशत तक	तीन महीने
(3) 25 प्रतिशत से अधिक एवं 50 प्रतिशत तक	छः महीने
(4) 50 प्रतिशत से अधिक एवं 75 प्रतिशत तक	नौ महीने
(5) 75 प्रतिशत से अधिक	एक वर्ष

3.6(क) ऐसा समाचार पत्र/नियतकालिक पत्र जो गत वर्ष अखबारी कागज के आबंटन के लिये आवेदन पत्र प्रस्तुत करने में अक्षम अर्हता प्राप्त करने में असफल रहा हो उसे नया आवेदन समझा जाएगा। उसे 1994-95 के दौरान केवल देशी अखबारी कागज ही दिया जाएगा जब तक कि असफलता के कारण प्रकाशक के नियंत्रण के बाहर न हों।

3.6(ख) यदि समाचार पत्र/नियतकालिक पत्र अपनी आवश्यकता में परिवर्तन करता है तो ऐसे एक वर्ष के नियमित प्रकाशन के बाद अखबारी कागज आवंटित किया जाएगा और 1994-95 के दौरान केवल स्वदेशी अखबारी कागज दिया जाएगा।

3.6(ग) जो समाचारपत्र पहली बार अखबारी कागज के आबंटन के लिये आवेदन कर रहा है, वह भारत के समाचार पत्रों के पंजीयक के कार्यालय में हर प्रकार से पूर्ण आवेदन पत्र प्राप्त होने की तारीख से देशी अखबारी कागज प्राप्त करने का हकदार होगा।

3.7 केवल नियमित नियतकालिक पत्रों को, जिन्हें बहुरंगी छापाई की आवश्यकता होती है, 1994-95 के दौरान ग्लेज्ड अखबारी कागज का आयात करने के लिये वार्षिक हकदारी प्रमाण पत्र जारी किये जाएंगे वे वास्तविक उपभोक्ता की तरह अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिये किसी भी मात्रा में अखबारी कागज का आयात कर सकेंगे। नये आवेदकों पर समाचारपत्रों के पंजीयक द्वारा गुण-दोषों के आधार पर विचार किया जाएगा।

3.8 समाचारपत्र की प्रसार संख्या का निर्धारण (क) विक्री प्रतियों की संख्या और (ख) निःशुल्क वितरित प्रतियों की संख्या, बिना विक्री लौटाई गई प्रतियों की संख्या को ध्यान में रखकर निम्नलिखित मानकों के आधार पर किया जायेगा :—

प्रसार संख्या	उपर्युक्त (ख) के अन्तर्गत अनुमत प्रतियां
(प्रति प्रकाशन दिवस विक्री हुई प्रतियां) (जो भी कम है)	
25,000 प्रतियों तक	5 प्रतिशत या 1,000 प्रतियां
25,000 से अधिक और 75,000 प्रतियों तक।	5 प्रतिशत या 2,500 प्रतियां
75,000 प्रतियों से अधिक	5 प्रतिशत या 5,000 प्रतियां

3.9 यदि किसी समाचार पत्र/नियतकालिक पत्र ने किसी भी पिछले वर्ष के दौरान अपने को आवंटित अखबारी कागज की किसी मात्रा का उपयोग नहीं किया है, तो अप्रयुक्त मात्रा को उसकी 1994-95 की हकदारी में से काट दिया जायेगा।

3.10 समाचारपत्रों की छीजन की क्षतिपूर्ति के रूप में निम्नलिखित सीमा तक अतिरिक्त अखबारी कागज दिया जाएगा :—

सभी समाचारपत्रों के लिए	7 प्रतिशत
बहुरंगी मुद्रण वाली पत्रिकाएं	1 प्रतिशत अतिरिक्त
मिली हुई पत्रिकाएं (काट-छांट के लिए)	3 प्रतिशत अतिरिक्त

3.11 छीजन की क्षतिपूर्ति को मिलाकर अखबारी कागज के लिए समाचारपत्रों की मूल वार्षिक हकदारी 1994-95 के लिये 50 ग्राम प्रति वर्ग मीटर के आधार पर निकाली जायेगी। अखबारी कागज ग्रामों अनुरूप अनुपातिक समायोजन के बाद ही सही रूप से जारी किया जाएगा।

4 आवेदन-पत्र प्रस्तुत करने की प्रक्रिया

4.1 निर्धारित स्वदेशी अखबारी कागज मिलों से आयात और खरीद हेतु हकदारी प्रमाणपत्र का आवेदन समाचारपत्र के प्रकाशक के द्वारा दिया जायेगा जिसे भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक, पश्चिमी खण्ड-8, स्कंध-2, रामकृष्णपुरम, नई दिल्ली-66 को संबोधित किया जायेगा।

4.2 स्टैंडर्ड अखबारी कागज की 200 मीट्रिक टन से अधिक वार्षिक हकदारी रखने वाले समाचारपत्रों के मामले में आवेदन-पत्र के साथ (अ) वर्ष 1993-94 के दौरान निर्धारित स्वदेशी अखबारी कागज मिलों से खरीद तथा आयात की गई मात्रा को छमाही विवरण में चार्टर्ड अकाउंटेंट द्वारा विधिवत प्रमाणित कराया जाये कि इसमें 2:1 नियम का पालन किया गया है तथा (ब) प्रेस तथा पुस्तक पंजीकरण अधिनियम के अन्तर्गत प्रत्येक प्रकाशक द्वारा यथा अपेक्षित कैलेंडर वर्ष की वार्षिक विवरण की प्रति संलग्न होनी चाहिये।

4.3 स्टैंडर्ड अखबारी कागज की 200 मीट्रिक टन तक की वार्षिक हकदारी रखने वाले समाचारपत्रों के मामले में हर प्रकार से पूर्ण आवेदन पत्र के साथ (अ) चार्टर्ड अकाउंटेंट द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित पिछले वर्ष (1-4-1993 से 31-3-1994 तक) के निष्पादन विवरण प्रमाण-पत्र (जहां प्रति प्रकाशन दिवस 2000 प्रतियों से अधिक औसत प्रसार है) के साथ-साथ अखबारी कागज आदि की खपत सहित आवश्यक कागजात, (ब) प्रेस तथा पुस्तक पंजीकरण अधिनियम के अन्तर्गत यथा अपेक्षित कैलेंडर वर्ष 1993 के लिये वार्षिक विवरण की प्रति (स) भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक द्वारा यथा अपेक्षित विभिन्न तारीखों के अथवा अन्यथा समाचारपत्र/आवधिक की नमूना प्रतियां (द) चार्टर्ड अकाउंटेंट द्वारा विधिवत प्रमाणित वर्ष 1993-94 के दौरान आयातित मात्रा के वार्षिक विवरण संलग्न होने चाहिये।

4.4 ग्लेज्ड अखबारी कागज के लिये आवेदन पत्र के साथ (अ) प्रेस तथा पुस्तक पंजीकरण अधिनियम के अन्तर्गत यथा अपेक्षित वार्षिक विवरण की प्रति (ब) भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक द्वारा यथा अपेक्षित विभिन्न तारीखों के अथवा अन्यथा की नमूना प्रतियां (स) वर्ष 1993-94 के दौरान आयातित मात्रा का वार्षिक विवरण।

5. अन्तिम तारीख

5.1 भारत के समाचार पत्रों के पंजीयक के कार्यालय में वर्ष 1994-95 के लिए हकदारी प्रमाणपत्र जारी करने के लिए नियमित संचमाचार पत्रों से आवेदन पत्रों के प्राप्त होने की अन्तिम तारीख 31 मई, 1994 है।

5.2.28 फरवरी, 1995 के बाद कोई भी आवेदन स्वीकार नहीं किया जावेगा।

5.3 उपर्युक्त पैरा में दी गई अन्तिम तिथि के बाद प्राप्त होने वाले आवेदन पत्र अस्वीकृत किए जा सकते हैं, तथापि, आवेदक द्वारा वैध कारण दिए जाने पर और देरी आवेदक के कारण न होने पर भारत के समाचार-पत्रों के पंजीयक गुणावगुण के आधार पर प्रत्येक आवेदन पर विचार कर सकते हैं।

6. संशोधन

जिस समाचारपत्र को 1994-95 के लिए निविष्ट मात्रा में अखबारी कागज की मूल हकदारी प्राप्त हो जाती है, वह अपनी बड़ी हुई प्रसार संख्या उसी पृष्ठ संख्या के आधार पर अपनी हकदारी बढ़ाने के लिए वर्ष में एक बार आवेदन कर सकता है बशर्ते कि ऐसे आवेदन के साथ किसी सनबी लेखापाल का विधिवत हस्ताक्षरित निष्पादन प्रमाणपत्र साथ लगा हो और उसमें 30 नवम्बर, 1994 की कम से कम आठ महीने की अवधि को हिसाब में से लिया गया हो, ऐसे आवेदन भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक के कार्यालय में 31 दिसम्बर, 1994 तक अवश्य पहुंच जाने चाहिए। और उनके साथ विभिन्न तारीखों के नमूना अंक भी होने चाहिए।

7. विवरण

7.1 200 मीट्रिक टन स्टैंडर्ड अखबारी कागज से अधिक की वार्षिक हकदारी वाले समाचारपत्र देशी अखबारी कागज की खरीद और आयातित स्टैंडर्ड अखबारी कागज की मात्रा का छाहरी विवरण 30 सितम्बर, 1994 और 31 मार्च, 1995 को समाप्त अवधि के लिए निर्धारित प्रपत्र में सम्बद्ध अवधि के समाप्त होने के 30 दिन के अन्दर-अन्दर भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक को प्रस्तुत करेंगे और उसकी एक प्रति बी. जी. एक. टी. (सी. सी. आई. एण्ड ई) को भेजेंगे।

यह विवरण किसी चार्टर्ड अकाउंटेंट द्वारा सत्य और सही रूप में प्रमाणित किया गया होना चाहिए। विवरणों में यह स्पष्ट रूप से दिखाया जाना चाहिए कि पिछले छः

महीनों में देशी अखबारी कागज की खरीद आयातित स्टैंडर्ड अखबारी कागज की मात्रा के दुगने से कम नहीं है।

7.2 200 मीट्रिक टन तक स्टैंडर्ड अखबारी कागज की वार्षिक हकदारी वाले समाचारपत्र उपर्युक्त पैरा 7.1 के अनुसार वार्षिक आधार पर अर्थात् 31 मार्च, 1995 की स्थिति के अनुसार अपना विवरण प्रस्तुत करेंगे।

7.3 जिन निश्चितकालिक पत्रों के मामले में ग्लेज्ड अखबारी कागज का आयात करने के लिए हकदारी प्रमाणपत्र दिया गया है, उनके लिए पैरा 7.1 में उल्लिखित विवरण वार्षिक आधार पर अर्थात् 31 मार्च, 1995 की स्थिति के अनुसार आयातित और प्रयुक्त ग्लेज्ड अखबारी कागज का विवरण देते हुए प्रस्तुत किए जाएंगे।

7.4 बिना पूर्वाग्रह से कोई कार्रवाई करते हुए समय पर विवरण प्रस्तुत न करने, गलत सूचना देने पर अथवा आयातित अखबारी कागज के अनाधिकृत प्रयोग पर सम्बद्ध समाचारपत्र को भविष्य में आयात हकदारी प्रमाणपत्र के अवगम्य ठहरा दिया जाएगा।

8. अखबारी कागज का अप्राधिकृत प्रयोग :

8.1 कोई समाचारपत्र अखबारी कागज न तो हस्तांतरित कर सकता है और न ही दूसरे समाचारपत्र से प्राप्त कर सकता है। तथापि, भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक अपने विवेक से अखबारी कागज को अधिक से अधिक तीन महीने की अवधि के लिए एक समाचारपत्र से दूसरे समाचारपत्रों को उधार के तौर पर हस्तांतरित करने की अनुमति दे सकते हैं बशर्ते कि हस्तांतरणकर्ता और हस्तांतरी भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक को ऐसे मामले की सूचना 30 दिन के अन्दर भेज दें।

8.2 पैरा 8.1 में किसी बात के होते हुए भी भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक की पूर्वानुमति के बिना अखबारी कागज न तो बेचा जाना चाहिए न उसे अन्तरित किया जाना चाहिए अथवा न ही उसका किसी अन्य प्रकार निपटान किया जाना चाहिए। अखबारी कागज का अनाधिकृत उपयोग अथवा निपटान करने से सम्बद्ध समाचारपत्रों को भविष्य में आयात हकदारी प्रमाण-पत्रों के अवगम्य करार दे दिया जाएगा।

8.3 जिस समाचारपत्र का प्रकाशन निलम्बित या बन्द हो जाता है वह प्रकाशन निलम्बन/बन्द होने से एक महीने के भीतर निष्पादन व्यौरा प्रमाण-पत्र भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक को प्रस्तुत करेगा। वह अप्रयुक्त अखबारी कागज को भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक के निर्देशों के अनुसार वापस करेगा।

9. अपवाद :

इस नीति में किसी बात के होते हुए भी, भारत का सूचना और प्रसारण मंत्रालय समुचित और पर्याप्त कारणों से किसी भी अपेक्षा को छोड़ सकता है या इन में से किसी भी उपबन्ध में ढील दे सकता है।

.....सेतक की अवधि के लिए प्रभार आदि संबंधी निष्पादन विवरण प्रमाण-पत्र का फार्म

1. समाचारपत्र / नियतकालिक पत्र का नाम

(1) आर . एन . आई . पंजीकरण सं.

(2) प्रकाशक का नाम व पता

(3) मालिक का नाम व पता

2. प्रकाशन का स्थान

3. मुद्रण का स्थान:

(4) भाषा

5. आवधिकता (पीरियोडिसिटी)

6. आर . एन . आई . द्वारा प्रसार का निर्धारण

(क) निर्धारण वर्ष:

(ख) वास्तविक प्रसार

(ग) निर्धारित प्रसार:

(घ) निर्धारण तारीख

7. मालिक के स्वामित्वाधीन अन्य समाचारपत्रों /नियतकालिक पत्रों के नाम और व्योरा।

पत्र का शीर्षक	भाषा और आवधिकता	प्रकाशन का स्थान	क्या प्रखबारी कागज सरकार के माध्यम से प्राप्त किया जाता है।
1	3	3	4

1.

3.

3.

8. महीने के दौरान

अप्रैल	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सित.	अक्तूबर	नव.	दिस.	जन.	फर.	मार्च	अवधि का औसत
93	93	93	93	93	93	93	93	93	94	94	94	

(क) वास्तविक प्रकाशन दिवसों की संख्या

(ख) प्रति प्रकाशन दिवस प्रकाशित प्रतियों की औसत संख्या

(ग) प्रति प्रकाशन दिवस बेची गई प्रतियों की औसत संख्या

(घ) प्रति प्रकाशन दिवस मुफ्त वितरित (मानार्थ वाउचर, विनिमय, बोनस, नमूना एवं कार्यालय प्रतियों सहित) की गई प्रतियों की औसत संख्या

(च) बिना बिक्री वापिस की गई और अन्य मुद्रित प्रतियों की औसत संख्या जो

(ख) और (घ) में शामिल नहीं की गई।

(छ) प्रकाशित समाचारपत्र /नियतकालिक पत्र का औसत आकार (वर्ग से. मी. में)

(ज) प्रति अंक पृष्ठों की औसत संख्या

(क्ष) प्रति प्रकाशित दिवस प्रकाशित पृष्ठों की औसत संख्या

(ट) वर्ष के दौरान अखबारों का कुल खपत (मी. टनों में) 1993-94

1. देशी

2. आयातित

मानक

चिकना

3. सफेद प्रिंटिंग कागज

4. आर. ई. पी.

(ठ) टिप्पणी यदि कोई हो:-

प्रकाशक के हस्ताक्षर
स्पष्ट अक्षरों में नाम
दिनांक

सनदी लेखापाल का प्रमाण पत्र

मैंने/हमने उपर्युक्त अवधि के दौरान प्रकाशित सर्वश्री पत्र का नाम, भाषा और आवधिकता के पुस्तकों और लेखों की जांच कर ली है और मैंने/हमने अपेक्षित सभी जानकारी और विवरण प्राप्त कर लिया है। मेरे/हमारे विचार में उपर्युक्त अवधि के लिए दिया गया उपरोक्त विवरण मेरी/हमारी जानकारी एवं लेखा पुस्तकों के अनुसार प्रदत्त विवरण में प्रसार संख्या, पृष्ठ संख्या, आकार और प्रकाशन विवरणों की संख्या का सत्य एवं सही विश्लेषण करता है।

सनदी लेखापाल की मोहर

हस्ताक्षर

1. उस व्यक्ति की संख्या एवं नाम जिसने प्रमाणपत्र पर हस्ताक्षर किए हैं।

2. पंजीकरण संख्या

3. पता

नोट :—1. यदि वर्ष के लिए औसत प्रसार संख्या 2000 प्रतियां प्रति प्रकाशन दिवस से अधिक हों तो प्रमाणपत्र सनदी लेखापाल के शीर्ष पत्र '(लेटर हेड)' पर टाईप होना चाहिए और उसके द्वारा विधिवत प्रति हस्ताक्षरित होने चाहिए तथा उनकी मोहर होनी चाहिए।

2. सभी औसत महीनेवार संबंधित मास के दौरान निष्पादन के व्योरे के आधार पर दी जाए।

3. (ज) में दिए जाने वाले आकड़े मास के दौरान प्रकाशित सभी अंकों के कुल पृष्ठों के जोड़ को उस मास के कुल प्रकाशन दिवसों की संख्या से भाग करके प्राप्त किए जा सकते हैं जबकि (क्ष) में दिए जाने वाले आंकड़ों का हिसाब इस प्रकार होगा :—

एक अंक के पृष्ठों की संख्या उसके अंक के कुल प्रकाशित प्रतियों की संख्या से गुणा करने से तत्संबंधी प्रकाशन दिवस को कुल प्रकाशित पृष्ठों की संख्या निकल आएगी। महीने के सभी प्रकाशन दिवसों के कुल प्रकाशित पृष्ठों की संख्या को जोड़ लेना चाहिए। मासिक औसत संख्या प्राप्त करने के लिए इस कुल संख्या को उस मास के कुल प्रकाशन दिवसों को कुल संख्या से भाग किया जाना चाहिए।

4. अधूरे आवेदन-पत्र स्वीकार किया नहीं जाएंगे।

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

Public Notice No. 601/1/94—Policy

New Delhi, the 27th April, 1994

import and purchase newsprint from the scheduled indigenous newsprint mills for the licensing year April 1994—March 1995 as given in the Annexure, until further orders.

Sd/-

RAGHU MENON,
Jt. Secy.

ANNEXURE

Guidelines for issue of Certificate of Entitlement

1. Definition

1.1 A 'newspaper' shall mean any printed periodical work containing public news or comments on public news as defined in the Press and Registration of Books Act, 1867, as amended from time to time.

File No. 2/8/92-MUC.—In terms of Ministry of Commerce Public Notice No. 201(PN)/92—97 dated 30-3-1994 relating to the Export-Import Policy for April 1992—March 1997 and the Newsprint Control Order, 1962, as amended from time to time, the Government of India in the Ministry of Information and Broadcasting hereby notify the Guidelines for the issue of Certificates of Entitlement to newspapers to

1.2 While 'indigenous newsprint' shall mean standard newsprint produced by the domestic newsprint mills mentioned in Schedule-I of the Newsprint Control Order, 1962, as amended from time to time, the definition of imported newsprint shall be taken as provided in Chapter 48 of the Customs Tariff—1994-95.

2. Eligibility

2.1 Newsprint entitlement certificates shall be issued by the Registrar of Newspapers for India, on submission of a formal application complete in all respects, to such newspapers/periodicals as have been registered with the RNI in accordance with the relevant provisions of the Press and Registration of Books Act, 1867, as amended from time to time.

2.2 A newspaper shall be eligible for newsprint if it has a regularity of 90 per cent in the case of daily, bi-weekly or tri-weekly newspapers and 66-2/3 per cent in case it has weekly or lower periodicity, save in such cases where the shortfall in regularity has arisen because of reasons beyond the control of the publisher viz., strikes, lock-outs, go-slow, power shortage or similar causes.

2.3 The following categories of publications although these may be registered with the Registrar of Newspapers for India as newspapers, shall not be eligible for newsprint :—

- (i) Journals published primarily to promote sale of goods or services;
- (ii) House journals/magazines brought out by undertakings/firms/industrial concerns;
- (iii) Price lists, catalogues, Directories and lottery news;
- (iv) Racing guides; and
- (v) Sex magazines

3. Entitlement

3.1 The basic entitlement of newsprint for the licensing year 1994-95 of a newspaper/periodical will be determined on the basis of its consumption of newsprint and any other paper, average annual circulation, average number of publishing days and average page area published during the preceding year.

3.2 In the case of those newspapers whose annual entitlement is determined by the Registrar of Newspapers for India to be more than 200 MT standard newsprint, the newspapers shall be allowed to import standard newsprint on the condition that for every two metric tonnes of indigenously produced newsprint purchased by them they will be entitled to import one metric tonne of standard newsprint.

3.3 In the case of those newspapers whose annual entitlement is determined by RNI less than 200 MT, annual entitlement certificates shall be issued for import of standard newsprint specifying the maximum quantity that a newspaper is entitled to import in one or more instalments.

3.4 All the editions of a newspaper/periodical bearing the same title, having the same periodicity, published in the same language and owned by the same owner either published from the same place or from different places would be clubbed together and their category and entitlement of newsprint will be calculated on the basis of performance particulars in respect of all the editions taken together.

3.5 A newspaper/periodical whose circulation claim has been declared unestablished by the Registrar of Newspapers for India will not be eligible for newsprint unless and until the circulation has been re-established for the same year or for a subsequent year irrespective of any change of the status of the newspaper. In case of a newspaper/periodical whose circulation has been assessed by the Registrar of Newspapers for India to be lower than the claimed circulation in the past, the entitlement will be worked out on the basis of the circulation as assessed by the Registrar of Newspapers for India. Such a newspaper/periodical will continue to get newsprint

at the assessed circulation and will not be eligible for revision of its entitlement during the licensing or a subsequent year till the claim of circulation is accepted in full. In case a newspaper/periodical is found to have given a false statement about its performance or circulation it shall render itself liable for being debarred from allocation of newsprint for a specific period which may extend upto one year in the manner indicated below :—

Exaggeration	Debarred for
Upto 10 per cent	Exempted
Above 10 per cent and upto 25 per cent	3 months
Above 25 per cent and upto 50 per cent	6 months
Above 50 per cent and upto 75 per cent	9 months
Above 75 per cent	One year

3.6(a) A newspaper which failed to apply or qualify for the allocation of newsprint during the preceding year shall be considered as a fresh applicant and given only indigenous newsprint during 1994-95 unless such failure has been for reasons beyond the control of the publisher.

3.6(b) In case a newspaper/periodical changes its periodicity, it will be treated as a fresh applicant and given only indigenous newsprint during 1994-95.

3.6(c) A newspaper applying for allocation of newsprint for the first time will be entitled to get only indigenous newsprint from the date of receipt of its application in the office of the Registrar of Newspapers for India complete in all respects.

3.7 Only regular periodicals with multi-colour printing requirement shall be given annual entitlement certificate to import glazed newsprint during 1994-95. They may be allowed to import any quantity to meet their requirements as actual users. Fresh applicants will be considered by RNI on merit.

3.8 The circulation of a newspapers shall be determined by taking into account: (a) the number of copies sold; (b) the number of copies distributed free or returned unsold as per the following norms :—

Circulation (sold copies per publishing day)	Copies allowed under (b) above (whichever is less)
Upto 25,000 copies	5% or 1000 copies
Above 25,000 copies and upto 75,000 copies	5% or 2500 copies
Upto 75,000 copies and above 75,000 copies	5% or 5000 copies

3.9 If a newspaper/periodical establishment did not utilise any portion of newsprint allotted to it during any previous year, the unutilised quantity will be adjusted during the year 1994-95.

3.10 Extra newsprint upto the limits indicated below will be allowed to newspapers as wastage compensation :—

All newspapers	7 per cent
Magazines with multicolour printing requirement	Additional 1%
Stitched magazines (for trimming)	Additional 13%

3.11 The basic annual entitlement of a newspaper for newsprint inclusive of wastage compensation for 1994-95 will be worked out on the basis of 50 GSM. Actual release will be made after making proportionate adjustments as per the grammage of newsprint involved.

4. Procedure for submission of Applications

4.1 Applications for entitlement certificates for import/purchase from the scheduled indigenous newsprint mills shall be made by the publisher of a newspaper and shall be addressed to the Registrar of Newspapers for India, West Block-8, Wing-2, R. K. Puram, New Delhi-110066.

4.2 In case of newspapers having more than 200 MT of annual entitlement of standard newsprint, the application should be accompanied by (a) the half yearly returns indicating the quantity of import and purchase from the scheduled indigenous newsprint mills during 1993-94 duly certified by a Chartered Accountant to the effect that 2 : 1 formula has been complied with and (b) a copy of the Annual Statement for the calendar year as required to be submitted by each publisher under the PRB Act.

4.3 In the case of the newspapers whose annual entitlement is upto 200 MT of standard newsprint applications should be accompanied by (a) Performance Particulars certificate for the preceding year (i.e. 1-4-1993 to 31-3-1994) duly certified by a Chartered Accountant (where the average circulation is more than 2000 copies per publishing day) along with necessary documents indicating the consumption of newsprint etc. (b) a copy of the Annual Statement for the calendar year 1993 as required to be submitted under PRB Act complete in all respects, (c) specimen issues of the newspaper/periodical of different dates or otherwise as required by the RNI and (d) annual returns indicating the quantity imported during 1993-94 duly certified by a Chartered Accountant.

4.4 Applications for glazed newsprint should be accompanied by a copy of the Annual Statement as required to be submitted under PRB Act, (b) Specimen issues of different dates or otherwise as required by RNI, and (c) the Annual Return indicating the quantity of import made during 1993-94.

5. Last Date

5.1 The last date of receipt of applications in the office of the RNI from regular newspapers for the issue of certificate of entitlement for 1994-95 is 31st May, 1994.

5.2 No application will be entertained after 28-2-1995.

5.3 Applications received after the last dates mentioned above are liable to be rejected. However, if the applicant gives valid reasons and the delay is not attributable to the applicant, RNI may consider each request on merit.

6. Revision

6.1 A newspaper which secures the basic entitlement of a specified quantity of newsprint for 1994-95 can apply once during the year for upward revision of the entitlement on the basis of increase in its circulation and number of pages, provided such an application is accompanied by performance certificate duly signed by a Chartered Accountant and covers a period of not less than 8 months as on 30th November,

1994. Such applications should reach the office of the Registrar of Newspapers for India along with the sample issues of different dates by 31st December, 1994.

7. Returns

7.1 The newspapers having annual entitlement of more than 200 MT of standard newsprint shall submit half-yearly returns in respect of the purchase of indigenously produced newsprint and the quantity of standard newsprint imported to RNI in the prescribed form with a copy to DGFT (CCI&E) for the periods ending 30th September, 1994 and 31st March, 1995 within 30 days of the close of the period concerned. The returns shall be certified to be true and correct by a Chartered Accountant. The returns should clearly show that the purchase of indigenously produced newsprint was not less than twice the quantity of Standard Newsprint imported during the preceding six months.

7.2 The newspapers with an annual entitlement less than 200 MT of standard newsprint shall submit the returns as mentioned in para 7.1 above on annual basis i.e. as on 31st March, 1995.

7.3 In the case of periodicals given entitlement certificate for the import of glazed newsprint, the returns mentioned in para 7.1 above shall be required to be submitted on annual basis i.e. as on 31st March, 1995, giving details of the glazed newsprint imported and utilised.

7.4 Without prejudice to any other action that may be taken, failure to submit the returns in time or submission of false information or unauthorised use or disposal of imported newsprint shall disqualify the newspaper concerned for future entitlement certificates.

8. Unauthorised use of Newsprint

8.1 No newspapers shall transfer newsprint to or receive from another newspaper. However, the Registrar of Newspapers for India, may, in his discretion allow such transfer of newsprint by one newspaper to another by way of loan for a period not exceeding three months provided the transferor and transferee give intimation to the RNI within 30 days thereof.

8.2 Notwithstanding anything contained in para 8.1 above, newsprint should not be sold, transferred or disposed of in any other manner by the newspapers except with the prior permission in writing of the RNI. Unauthorised use or disposal of newsprint shall disqualify the newspapers concerned for future import entitlement certificates.

8.3 A newspaper which suspends or ceases publication shall submit to the Registrar of Newspapers for India Performance Particulars Certificate within a month of suspension/cessation of its publication. It shall also surrender the newsprint not utilised by it as per directions of the Registrar of Newspapers for India.

9. Exceptions

The Government of India in the Ministry of Information and Broadcasting may waive any of the requirements or relax any of these guidelines for good and sufficient reasons.

PERFORMANCE PARTICULAR CERTIFICATE REGARDING CIRCULATION TO ETC., FOR THE PERIOD FROM.....TO.....

1. Name of the Newspaper/Periodical
 - (i) RNI Registration No. .
 - (ii) Name of the Publisher with address
 - (iii) Name of the owner with address
2. Place of Publication
3. Place of printing
4. Language

5. Periodicity

6. Assessment of circulation by RNI:

- (a) Year for which assessed
- (b) Claimed circulation
- (c) Assessed circulation
- (d) Date of assessment

(Please enclose a copy of RNI's assessment letter issued in this regard).

7. Name and particulars of the other newspapers/periodicals owned by the owner

Title of the paper	Language & Periodicity	Place of Publication	Whether getting newsprint through Government
1	2	3	4
1.			
2.			
3.			

8. During the month of

Apr. 93	May 93	June 93	July 93	Aug. 93	Sept. 93	Oct. 93	Nov. 93	Dec. 93	Jan. 94	Feb. 94	March 94	Average for the period
---------	--------	---------	---------	---------	----------	---------	---------	---------	---------	---------	----------	------------------------

- (i) Actual Number of Publishing days
- (ii) Average number of copies printed per publishing day
- (iii) Average number of copies sold per publishing day
- (iv) Average number of copies distributed free per publishing day (including complimentary, vouchers, exchange, bonus, sample and office copies)
- (v) Average number of unsold returns and other copies printed but not included in (ii) and (iv)
- (vi) Average size of the newspaper/periodical publishing. (in sq. cms.)
- (vii) Average number of pages per issue
- (viii) Average number of pages printed per publishing day

9. Consumption of newsprint in MTs, 1993-94 :

- 1. Indigenous
- 2. Imported
- 3. WPP etc.
- 4. REP .

Standard

Glazed

10. Remarks if any. :—

Signature of the Publisher—

Name in Block letters—

Date :

Place :

 CERTIFICATE OF CHARTERED ACCOUNTANT

I/We have examined the books and accounts of M/s. _____ name, language and periodicity of the paper published for the period as mentioned above and have obtained all the information and explanation required by me/us. In my /our opinion the statement set forth above reflects true and correct analysis for circulation page, size and number of publishing days for the period as mentioned above to the best of my/our information and belief and according to the explanation given to me/us by the books of account etc.

Date _____

Signature _____

Stamp of the Chartered Accountant _____

1. Number and name of the person who has signed the certificate _____
2. Registration No. _____
3. Address . _____

Note :

1. If the average circulation for the year is more than 2,000 copies per publishing day, the certificate should be typed on the letter head of the Chartered Accountant and every paper should be duly countersigned by him with the stamp of the Chartered Accountant.
2. All the average has to be given monthwise on the basis of the particulars of performance during the relevant month.
3. The figures to be given against (vii) should be arrived at by adding the total number of pages of all the issues published during a month and dividing the total by the number of publishing days in that month, while the figures against (viii) should be worked out like this : The no. of pages of an issue multiplied by the total number of copies printed of that issue will give the information about the total no. of pages printed on the relevant publishing days. The total no. of pages printed on all the publishing days in a month should be added. The monthly average should be arrived at by dividing this total by total no. of days in that month.
4. Incomplete application is liable to be rejected.